आज का पुरुषार्थ 23 August 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *"बाबा कहे है जिस घर में एक भी पवित्र आत्मा रहती है वह घर एकदिन मन्दिर बन जायेंगे ... तो आज से सम्पूर्ण पवित्र बनकर जीने का व्रत ले "*

पवित्रता के सागर बाबा ने हम सभी को ' **पवित्र भव** ' का वरदान दिया है। वे आये है वैसा ही हमें **श्रेष्ठ पावन बनाने जैसे हम सृष्टि के आदि में थे।**

उन्होंने हमें याद दिलाया है →

" बच्चे तुम परम पवित्र आत्मायें हो " इसलिए परम पूज्य हो .. तुम्हारी जैसी पवित्रता किसी धर्मात्मा की किसी धर्मपिता की भी नहीं होती।

क्योंकि .. तुम ऐसी पवित्रता अपनाते हो .. जिससे यह सारा संसार दो युग के लिए पवित्र बन जाता है .. देह भी पवित्र और **आत्मा भी पवित्र हो जाती है**

और अपनी **वर्तमान** पवित्रता के महत्व पर जरा ध्यान दे। हमारे पवित्र vibrations **प्रकृति** को भी पावन कर देते है। चारों ओर के वायुमंडल को पावन कर देते है। हमारी पवित्रता बहुत महान है।

पवित्रता का सुख प्राप्त करे। वासनाओं ने तो दुःखों का जन्म दिया है। वासनाओं के **क्षणिक आनन्द** में फँसकर मनुष्य ने अपना **राज्य भाग्य** सबकुछ गँवा दिया है।

हमें पुनः पवित्र बनकर बाबा को बहुत बड़ा सहयोग देना है। सृष्टि को पावन बनाने में। हम चाहें अपने लिए पवित्रता न बने, परन्तु इस संसार के लिए पवित्र अवश्य बने।

" **जिस घर में एक पवित्र आत्मा रहती है वह घर मंदिर बन जायेगा** " वह पवित्र आत्मा इष्ट देव-देवी कहलायेंगे .. उस घर में सुख-शान्ति की सरिता वहने लगेगी .. वह घर विघ्न और समस्याओं से मुक्त हो जायेगा "

तो आइये बाबा से सम्पूर्ण पवित्र बनने का वायदा करे। उसे वचन दे दे ...

" हम तुम्हारे बन गये .. तो **पवित्रता** के मार्ग पर चलते ही रहेंगे .. हमसे हमारी पवित्रता कोई नहीं छीन सकेगा .. एकबार जिस पथ पर कदम रख दिये .. हम उस पथ से विचलित नहीं होंगे ..

अब यही तो हमारा **श्रेष्ठ मार्ग** है .. इस मार्ग पर हम सतत् आगे बढ़ते चलेंगे .. और जिस पर दृष्टि डालेंगे उसे पवित्र vibrations देंगे .. इस देह के आकर्षण से हम स्वयं को मुक्त कर लेंगे "

सबसे बड़ा आकर्षण यह देह का आकर्षण है। अब हम आत्मिक दृष्टि का अभ्यास बढ़ाये। अपनी प्योरीटी को स्ट्रांग और नेचुरल करने के लिए ...

" मैं परम पवित्र आत्मा हूँ .. मैं पवित्रता की देवी हूँ "

भोजन बनाते हुए सौ बार याद करे →

" मैं परम पवित्र आत्मा हूँ .. मैं पवित्रता का सूर्य हूँ "

हम ध्यान दे, केवल हम **पवित्रता की प्रतिज्ञा** ही नहीं करेंगे लेकिन पवित्रता को natural बनाने के लिए इसे आगे बढ़ाने के लिए हम साधनायें करेंगे।

इसलिए जिन्हें अपनी पवित्रता का सुखद अनुभव करना हो, जिन्हें अपनी **पवित्रता को विश्व के लिए कल्याणकारी बनाना है** .. वह प्रतिदिन **चार घन्टे** योग साधना अवश्य करे, कुछ बैठकर और कुछ कर्मों में।

तो आइये आज सारा दिन हम इस स्वमान में रहेंगे ...

" मैं पवित्रता का सूर्य हूँ .. मस्तक के मध्य में हूँ "

और .. जिस पर भी दृष्टि डालेंगे इस संकल्प के साथ कि ...

" हमें इन्हें पवित्र वायब्रेशन्स देना है .. यह आत्मायें है "

तो सबको आत्मिक दृष्टि से देखते हुए पवित्र वायब्रेशन्स देते रहेंगे और अभ्यास करते रहेंगे कि →

" ऊपर से बाबा की पवित्र किरणें निरन्तर मुझ पर पड़ रही है "

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org